# आरती श्री गणेश जी की

जय गणेश जय गणेश जय गणेश देवा।

माता जाकी पार्वती पिता महादेवा ॥ जय ॥

एक दन्त दयावन्त चार भुजा धारी।

मस्तक सिन्दूर सोहे मूसे की सवारी ॥ जय ॥

अन्धन को आँख देत कोढ़िन को काया।

बांझन को पुत्र देत निर्धन को माया ॥ जय ॥

हार चढ़े फूल चढ़े और चढ़े मेवा।

लड्डुवन का भोग लगे सन्त करें सेवा ॥ जय ॥

दीनन की लाज राखो शम्भु सुत वारी।

कामना को पूरा करो जग बलिहारी ॥ जय ॥

जय गणेश जय गणेश जय गणेश देवा।

माता जाकी पार्वती, पिता महादेवा ॥ जय ॥

www.Pdfformats.com से पुनः डाउनलोड कर सकते हैं|